बुधवार
19 अप्रैल 2023

पृष्ठ 4
फल खाने का सही समय क्या है, फल कब खाना चाहिए

पृष्ठ 5
जी ले जरा में कटरीना-प्रियंका-आलिया संग होगी किंग खान की रोड ट्रिप!

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 79
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

धैर्यवान मनुष्य आत्मविश्वास की नौका पर सवार होकर आपत्ति की नदियों को सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं।

– भर्तृहरि

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

व्यवस्थाओं के झाम में उलझे चारधाम यात्री

विशेष संवाददाता

देहरादून। चार धाम यात्रा पर आना है तो पहले रजिस्ट्रेशन कराओ। रजिस्ट्रेशन कैसे होगा? ऑनलाइन या ऑफलाइन? अगर रजिस्ट्रेशन हो गया तो होटल की बुकिंग कराओ यात्रा का दिन तारीख तय हो गया और रजिस्ट्रेशन भी हो गया तो फिर हेली टिकट बुक कराओ। तय तारीख को हेली टिकट कैसे मिलेगा इसका भी पता नहीं। कब बुकिंग होगी इसकी भी जानकारी नहीं। यात्रा का मन बनाया और यात्रा का दिन, तारीख सब कुछ तय कर लिया मगर होटल की बुकिंग नहीं मिली या हेली का टिकट नहीं मिला तो सारा प्रोग्राम चौपट।

चारधाम यात्रा पर आने के हर इच्छुक व्यक्ति को ऐसे ही तमाम सवालों से इन दिनों दो-चार होना पड़ रहा है। उत्तराखंड शासन-प्रशासन द्वारा यात्रा को सुगम और सरल बनाने के नाम पर इतने ज्यादा नियम कानून बना दिए गए हैं कि अनपढ़ लोगों की तो बात ही छोड़ दो अच्छे अच्छे पढ़े लिखे लोगों का भी दिमाग चकरघन्नी बन जाए? सरकार द्वारा इस साल सभी यात्रियों के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है क्योंकि पिछले

●बिना पढ़े लिखे ही नहीं पढ़े लिखे भी बने चकर घन्नी ●क्या बुक कराएं कैसे कराएं सब कुछ समझ से परे ●हेली टिकट तय तारीख पर मिलना तो कतई नामुमकिन

साल बिना रजिस्ट्रेशन वाले लोग भी धामों तक पहुंच गए थे जिसके कारण क्षमता से अधिक यात्री पहुंचने से व्यवस्थाएं चरमरा गई थी। लेकिन सरकार इस साल भी ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की बात कर रही है तब क्या हालात पहले जैसे नहीं हो जाएंगे।

एक व्यक्ति या यात्री समूह को सरकार अगर एक मुफ्त रजिस्ट्रेशन, होटल, हेली और दर्शन स्लॉट अलॉट करने की व्यवस्था करती तो शायद यात्रियों को इस झंझट से बचाया जा सकता था। अब यात्रियों की हालात यह है कि उनका रजिस्ट्रेशन तो हो गया लेकिन किसी को होटल नहीं मिल रहा है तो किसी को हेली का टिकट नहीं मिल पा रहा है उन्हें समय पर यह जानकारी तक नहीं मिल पा रही है कि उन्हें कब व कैसे क्या मिल सकता है।

हेली सेवाओं की स्थिति यह है कि बीते कल मंगलवार को केदारधाम जाने वाले उन यात्रियों के लिए ऑनलाइन बुकिंग खोली गई जिन्हें 1 मई से 7 मई के बीच यात्रा करनी है। वेबसाइट खुलने के कुछ ही घंटों में बुकिंग फुल हो गई। जिसमें 5275 टिकट बुक हुए हजारों लोग कोशिशों के बाद भी टिकट बुक नहीं करा सके। कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने होटल की बुकिंग करा दी थी लेकिन हेली टिकट नहीं मिला तो अब इस होटल की बुकिंग को कैंसिल करा रहे हैं।

धामों में दर्शनों के लिए स्लाट व्यवस्था की बात की जा रही है जिन लोगों के आने-जाने के लिए हैली टिकट बुक है उन्हें अगर तय समय में स्लाट नहीं मिलता और दर्शन नहीं हो पाते तो हेली

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

लक्ष्य पाने के लिए संकल्प जरूरीः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जीवन में किसी लक्ष्य को पाने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ना बहुत जरूरी है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जीएमएस रोड स्थित वाडिया भू विज्ञान संस्थान में इंडो डच हार्टिकल्चर एवं कोका कोला इंडिया द्वारा आयोजित "संकल्प से परिवर्तन की ओर" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने सेब उत्पादन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले कृषकों को सम्मानित किया। उन्नति एप्पल योजना के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंडो डच हार्टिकल्चर एवं कोका कोला इंडिया द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जीवन में किसी लक्ष्य को पाने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। जब हम किसी लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लेते हैं तभी कोई परिवर्तन आता है। कोका कोला इंडिया तथा इंडो डच हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी ने जिस कार्य को पूरा करने का संकल्प

लिया था, उसे सिद्धि तक पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इसके अंतर्गत नाबार्ड के सहयोग से 18 हजार पॉलीहाउस की स्थापना के लिए 280 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। सेब उत्पादन को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए एप्पल मिशन के तहत 35 करोड़ की योजना को भी प्रारंभ किया गया है। राज्य में उच्च मूल्य वाली फसलों कीवी, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी आदि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और उद्यान को बढ़ावा देने के साथ ही हमें प्राकृतिक खेती पर अधिक ध्यान देना होगा। हम सेब की प्राकृतिक खेती

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल का दिल्ली एम्स में होगा इलाज

नई दिल्ली। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत है। बताया जा रहा है कि बेहतर इलाज के लिए उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली लाया जाएगा। राष्ट्रपति सचिवालय के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं होने पर उन्हें बुधवार को आगे के इलाज के लिए एम्स ले जाया जाएगा। मंगलवार को सांस लेने में तकलीफ और बेहोशी के बाद

उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि फिलहाल नेपाल के राष्ट्रपति त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल (टीयूटीएच) में भर्ती हैं। टीयूटीएच के मुख्य प्रशास थपलिया ने पुष्टि की है कि उन्हें एयर एंबुलेंस में भारत ले जाया जा सकता है। राष्ट्रपति सोमवार को जांच के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को डॉक्टरों ने उनके फेफड़ों में इंफेक्शन पाया। इसके बाद, उन्हें दवाएं दी गई, जो उनके स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार करने में विफल रहीं।

भारत ने जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। भारत की आबादी बढ़कर 142.86 करोड़ हो गई है और वह चीन को पीछे छोड़ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। यह दावा है संयुक्त राष्ट्र का। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या 'डैशबोर्ड' (मंच) के अनुसार, चीन की आबादी 142.57 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आज जारी आंकड़ों से पता चलता है कि चीन को पछाड़कर भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। 1950 में जनसंख्या डेटा एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू करने के बाद से यह पहली बार है कि भारत ने सबसे अधिक आबादी वाले देशों की संयुक्त राष्ट्र सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक भारत अब दुनिया का सबसे अधिक

आबादी वाला बन गया है। भारत की आबादी 142.86 करोड़ पहुंच गई है जबकि चीन की जनसंख्या 142.57 करोड़ है। भारत की आबादी अब 29 लाख ज्यादा हो गई है। यह पहली बार है कि भारत की जनसंख्या 1950 के बाद से चीन से आगे निकल गई है।

इस संबंध में नेपा की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट का नाम 8 बिलियन लाइव्स, इनफिनिट पॉसिबिलिटीज: द केस फॉर राइट्स एंड चॉइसेस है। यह आंकड़े डेमोग्राफिक इंडिकेटर्स की श्रेणी में दिए गए हैं। अन्ना जेफरीज ने बताया, हां, यह स्पष्ट नहीं है कि भारत ने चीन को कब पीछे छोड़ा है। जेफरीज ने कहा, दरअसल दोनों देश की तुलना करना काफी कठिन है। क्योंकि दोनों देशों के डाटा कलेक्शन में थोड़ा अंतर है।

उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में यह साफ है कि चीन की आबादी पिछले साल अपने चरम पर पहुंच गई और अब इसमें गिरावट आने लगी है। वहीं भारत की आबादी फिलहाल बढ़ रही है। हालांकि भारत की आबादी के ग्रोथ रेट में भी 1980 के बाद से गिरावट देखी जा रही है। इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी बढ़ रही है लेकिन इसकी दर पहले के मुकाबले अब कम हो गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अतिक्रमणः लाइलाज बीमारी

राजधानी दून में बीते 2 दिनों से सड़कों के किनारों से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। दरअसल दून शहर की यातायात व्यवस्था को खराब करने में अतिक्रमण एक अहम कारण बना हुआ है जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा की जा रही संयुक्त कार्यवाही में अब यह कोशिश की जा रही है कि राजधानी की सभी प्रमुख सड़कों से किसी तरह से अतिक्रमण को हटाया जाए। सोमवार को चली कार्यवाही के दौरान शहर में 75 स्थानों पर यह अतिक्रमण हटाओ अभियान चला। 65 अतिक्रमणकारियों के चालान काटे गए जिनसे 38,800 रुपए जुर्माना भी वसूला गया जिन लोगों ने सड़कों के किनारे अनाधिकृत रूप से रेड़िया लगाई जा रही थी उन्हें हटाया गया तथा कई जगह कुछ कच्चे-पक्के अस्थाई अतिक्रमण पर बुलडोजर भी चलाया गया। वहीं मंगलवार चली कार्यवाही में 65 स्थानों पर कार्रवाई की गई जिसमें 103 लोगों के चालान कर 60,500 जुर्माना वसूला गया। दुकानों के बाहर सड़क पर सामान रखने वाले दुकानदारों को 10 हजार के चालान की चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। साथ ही प्रशासन ने अतिक्रमण करने वालों से साफ कहा गया है कि अगर दोबारा अतिक्रमण किया गया तो दुगना जुर्माना होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिन क्षेत्रों में भी यह अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही हुई है वहां अगले ही दिन अतिक्रमण की वैसी ही स्थिति देखी जा रही है जैसी पहले थी। कुछ स्थानों पर हालात ऐसे भी देखे गए कि पुलिस व नगर निगम की टीमों के जाने के कुछ घंटों बाद ही फिर लोगों ने अपनी रेड़िया सजा दी। इन दिनों शहर के कई क्षेत्रों में सड़कों के चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण हटाने व पेड़ों के कटान का काम किया जा रहा है लेकिन सड़कें तो जब चौड़ी होगी तब होगी अतिक्रमणकारियों ने फिर से अपना कब्जा जमा लिया है। कहीं रेडिया लग चुकी है तो कहीं पार्किंग स्थल बना लिए गए हैं। खास बात यह है कि इस अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था बनाए रखने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अतिक्रमण की यह समस्या सिर्फ प्रमुख बाजारों तक सीमित नहीं है राजधानी की मुख्य सड़कों पर इस अतिक्रमण के कारण जो जाम की स्थितियां जगह-जगह बनी हुई है वह स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं बल्कि बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी सबसे बड़ी मुसीबत बनी हुई है। नैनीताल हाईकोर्ट द्वारा नैनीताल जिलाधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था कि नैनीताल की सड़कों पर जो फूड वैन लगाई जा रही है वह किसकी अनुमति से लगाई जा रही है। दरअसल नैनीताल में सैकड़ों की संख्या में फूड वैन सड़कों पर लगाई जा रही है जिसके कारण यातायात बाधित हो रहा है। राज्य की राजधानी ही नहीं पूरे राज्य के शहर और कस्बों में हुए अतिक्रमण यातायात में बाधक बन रहे हैं। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए हर दो चार माह में कार्यवाही भी होती है लेकिन फिर हालात जस के तस हो जाते हैं। नगर निगम व नगरपालिका तथा पुलिस द्वारा इस अतिक्रमण को संरक्षण दिया जाता है इनसे अवैध वसूली की जाती है जिसका खामियाजा आम आदमी को भोगना पड़ता है। राजधानी दून में लाखों की संख्या में अवैध रेडिया कारोबार में लगी है। लेकिन इनकी कोई पुख्ता रोकथाम के उपाय कभी नहीं किए गये। जिसके कारण यह एक लाइलाज बीमारी बन चुकी है।

रुपया लेकर मकान ना बनाने पर ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी से रूपया लेकर मकान ना बनाने पर पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल वीके शाही ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वहं एक सेवानिवृत भारती सैन्य अधिकारी है वह अपना मकान फुलसनी गांव में बनवा रहा है। मकान बनाने का समझौता आर्क क्रियेशन कम्पनी जो कि सिल्वर हाईट पौन्धा, देहरादून के साथ हुआ है और मकान बनाने का काम 03 अप्रेल 2022 से शुरु हुआ है। उसने बताया कि मकान बनाने का कान्ट्रेक्ट 60 लाख पचास हजार रूपये में हुआ था। उसने एक साल में ठेकेदार आशीष कुमार को 90 प्रतिशत पैसा दे दिया है। उसके बावजूद उसने उसका मकान पूरा नहीं किया और वहां से सारा सामान उठाकर चला गया है। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्र ब्रह्माणि नभाकवदिन्द्राग्निभ्यामिरज्यत।
या सप्तबुध्नमर्णवं जिह्मबारमपोर्णुत इन्द्र ईशान ओजसा नभन्तामन्यके समे॥

(ऋग्वेद ८-४०-५)

हे साधक ! इंद्र और अग्नि की उपासना से ज्ञान चमक उठता है। जो सात आधार हैं: दो कान, दो नासिका के छिद्र, दो आंखें, और मुख उससे तुम कुटिलताओं का निवारण करो। साधक को ज्ञान और कर्म दोनों की ही आवश्यकता होती है।

O seeker ! Knowledge shines through the worship of Indra and Agni. With the seven bases, which are: two ears, two nostrils, two eyes, and the mouth, you get rid of complexities. A seeker needs both knowledge and action. (Rig Ved 8-40-5)

यात्रा को सफलतापूर्वक संचालित करने सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। वर्ष-2023 श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सुव्यवस्थित एवं सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए आने वाले तीर्थ यात्रियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यात्रा व्यवस्थाओं में तैनात किए गए सेक्टर एवं सहायक सेक्टर ऑफिसरों को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में विकास भवन सभागार में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार द्वारा उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया ताकि यात्रा के सफल संचालन में किसी प्रकार की कोई परेशानी एवं दिक्कत न होने पाए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने सेक्टर एवं सहायक अधिकारियों से कहा कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने आने वाले तीर्थ यात्रियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिए उन्हें जो दायित्व एवं जिम्मेदारी दी गई हैं वे उनका निर्वहन कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ करें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े-खच्चरों के साथ किसी प्रकार की कोई क्रूरता न हो एवं बीमार व कमजोर घोड़े-खच्चरों का किसी भी दशा में संचालन न हो इसके लिए जी मैक्स द्वारा पोर्टल तैयार किया गया है जिसमें संचालित होने वाले घोड़े-खच्चर, मालिक एवं हॉकर का पूरा विवरण उपलब्ध कराया गया है। यदि किसी के द्वारा किसी भी तरह से पशु क्रूरता एवं ओवर रेटिंग करता पाया जाता है तो उसका रजिस्ट्रेशन नंबर डालने से ही उसको ब्लॉक करने की भी व्यवस्था की गई है। इस संबंध में उन्हें जो भी जानकारी दी जा रही है उस जानकारी को ठीक ढंग से ग्रहण कर लें ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि यात्रा मार्ग में किसी प्रकार की कोई समस्या होती है जिसमें सफाई व्यवस्था से संबंधित, पानी, विद्युत, स्वास्थ्य, हैली से संबंधित आदि समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर सभी सेक्टर एवं सहायक सेक्टर अधिकारियों के पास होना आवश्यक है ताकि वह तत्काल संबंधित अधिकारी को सूचना प्रेषित करते हुए संबंधित समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की कोई समस्या है तो इसकी जानकारी तत्काल ग्रुप एवं संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया जाए।

इस अवसर पर उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव गोयल, प्रतिनिधि पर्यटन विभाग, जिला पंचायत सहित संबंधित सेक्टर एवं सहायक सेक्टर अधिकारी मौजूद रहे।

नाबालिग को भगाने वाला मामा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले सगे मामा को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को थाना रानीपोखरी पर एक व्यक्ति द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री को सगे साले निवासी-ग्राम नकदवान सहस्त्रधारा, थाना मसूरी द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसकी जांच उपनिरीक्षक श्रीमती सरोज नौटियाल द्वारा संपादित की जा रही थी। जांच के दौरान नाबालिग को बरामद करने व आरोपी को गिरफ्तार किये जाने के प्रयास किये जा रहे थें गत दिवस सूचना मिलने पर जांच अधिकारी द्वारा मय फोर्स के आरोपी को सूर्यधार थानों से गिरफ्तार कर अपहृता को बरामद किया गया। पूछताछ के पश्चात मुकदमें में धारा-366, 376 आईपीसी व धारा-5 / 6 पोक्सोअधिनियम की बढ़ोतरी की गई। पीड़िता को मेडिकल हेतु व भेजा गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चचेरे भाई का हत्यारा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। मारपीट के दौरान हुई चचेरे भाई की हत्या के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की यह वारदात मोबाइल के पैसों के लेन देन के चलते हुए विवाद के कारण हुई थी।

जानकारी के अनुसार बीते सोमवार को मदन सिंह निवासी न्यू सुवाखिन धारचुला द्वारा कोतवाली धारचुला में तहरीर देकर बताया गया था कि देवेन्द्र सिंह द्वारा उनके पुत्र रूप सिंह के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस द्वारा हत्या में नामजद आरोपी देवेन्द्र सिंह पुत्र खुशाल सिंह निवासी सुवाखिन, धारचुला उम्र 21 वर्ष, को कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि मोबाइल के पैसों के लेनदेन को लेकर उनकी आपस में मारपीट हो गयी थी जिसके कारण रूप सिंह की मृत्यु हो गयी है।

बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ग्रामीण परिवेश से गायब होने लगे हुक्का-चिलम

पर्वतीय क्षेत्र में पारंपरिक अतिथि सत्कार व सौहार्द कायम रखने में अहम योगदान रखने वाला हुक्का चिलम व तंबाकू अब गांव से गायब होने लगा है। अधिकांश गांव में गुटका खैनी आदि ने हुक्के का स्थान ले लिया है।

पर्वतीय क्षेत्र के रवाई जौनपुर, जौनसार इलाके में हुक्का- चिलम का विशेष प्रचलन था। किसी मेहमान के घर पहुंचने पर मेजबान परिवार सर्वप्रथम हुक्का पानी की व्यवस्था ही किया करता था। गांव घरों में लोग एक स्थान पर बैठकर सामूहिक रूप से तंबाकू का सेवन करते थे। आज के परिवेश में हुक्का चिलम की जगह गुटके पान पराग दिलबाग कमला पसंद, खैनी जैसे गुटको ने ले ली है। अब ग्रामीण क्षेत्र में प्राचीन परंपरा खत्म होने लगी है। डॉ तानिया शर्मा(आयुर्वेदिक चिकित्सक) ने गुटका, खैनी को सेहत के लिए खतरनाक बताया।

उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र की पारंपरिक संस्कृति धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है और पाश्चात्य संस्कृति हावी हो रही है इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में हुक्का चिलम गायब हो रहे हैं। उन्होंने कहना है कि हुक्का चिलम क्षेत्र में आपसी एकता व सौहार्द का प्रतीक है।

बीते जमाने में पुरुष महिला हुक्का पी कर सुख -दुख दर्द बांटते थे। खेतों में काम करते समय तंबाकू के सेवन के बहाने उन्हें आराम का मौका मिलता था। हुक्का सिर्फ 50 वर्ष से अधिक के लोग ही पी सकते थे। जब कि गुटका खैनी आदि का सेवन आज कम आयु में ही युवा पीढ़ी सेवन कर रही है जिससे यहां की सुंदर पर्वतीय वादियों में गुटका की ये संस्कृति जहर घोल रही है।जो एक चिंता का विषय है। इसके साथ ही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आ रही है। आज युवा पीढ़ी का नशे की ओर जाना समाज के लिए हानिकारक है। हमें अपनी संस्कृति को बचाने एवं राह से भटकते युवाओं को सही राह पर लाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

●अवधेश शर्मा,
सोशल एक्टिविस्ट, हिमालयन ट्राइब्स।

शादी से पहले सास के साथ गाली गलौच करने पर रिश्ता टूटा, मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। शादी से पहले सास के साथ शराब पीकर गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने के बाद रिश्ता टूट गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री का रिश्ता आया उसने रिश्ता कर दिया रिश्ते मे उसने 51 हजार रुपये देकर लडका रोक दिया फिर उसके बाद लडके वालो ने शादी की तारीख मांगी तो उसने शादी की तारीख 21 अगस्त दे दी शादी की तारीख मे उसने सास आसमां के एक तोला के बूंदे, चाँदी की पायल नाक की तिली लडके की सोने की अँगूठी, 21 हजार रुपये और जो 75 लोग आये थे उनके सबके कपडे और 500 रुपयं सबको दिये और ससुर गय्यूर को 11 हजार रुपये भी दिये उसके कुछ दिनो के बाद लडके की माँ आसमां ने कहा कि तुम अगर एक छोटा सा घर अपनी जमीन मे बना दोगे तो उसका लडका कुछ नही मांगने का उनके जवाई नदीम ने 28 लाख रुपये दहेज मे माँगने को कहाँ, फिर लडके ने लडकी की माँ खुशनुदा के साथ शराब, पीकर अपने दोस्तो की साथ मिलकर बदतमीजी गाली ग्लोच करी ,तथा उनके बारे मे सामाजिक चाल चलन अच्छा नही बताया गया। उन्होंने रिश्ता तोड दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पिता व भाभी के साथ मारपीट में पति पत्नी के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पिता व बडी भाभी के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर कला निवासी अनुसूया प्रसाद ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका छोटा बेटा मुकेश व उसकी पत्नी सुषमा उनके कहने सुनने में नहीं रहते हैं इसलिए वह उनके साथ बात नहीं करता है। आज मुकेश व सुषमा उसके कमरे में घुस आये और उसको व उसकी बडी बहू के साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके व उसकी बडी बहू के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ महिला सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने महिला सहित दो लोगों को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन से मद्रासी कालोनी जाने वाले रास्ते पर एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से पांच ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम पूनम पत्नी भूप सिंह निवासी मद्रासी कालोनी बताया। वहीं पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने आईएसबीटी के पास से एक व्यक्ति को आठ ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया पूछताछ में उसने अपना नाम नदीम पुत्र मौहम्मद यासिन निवासी आजाद कालोनी बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक तस्करी में दो गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने 8.8 ग्राम स्मैक, डिजिटल तराजू व तस्करी में प्रयुक्त सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह गंगनहर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान डीएवी ग्रांउड के पास चैकिंग अभियान चला दिया।

इस दौरान पुलिस को बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोक कर तलाशी ली तो उनके पास से 8.08 ग्राम स्मैक व डिजीटल तराजू बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होने अपना नाम पारस उर्फ सीद पुत्र सुभाष निवासी पूर्वी दीनदयाल मकान नंबर 56 कोतवाली गंग नहर रुड़की व राजीक पुत्र इसरार निवासी ग्राम सालियर साल्हापुर कोतवाली गंगनहर रुड़की बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

पानी करेगा कई शारीरिक समस्याओं को दूर

भरपूर मात्रा में पानी पीना हेल्थ के लिए बहुत जरूरी होता है। पानी हमारे शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है और साथ ही सेहत को भी स्ट्रॉन्ग बनाए रखता है। ज्यादा पानी पीने से स्किन और बाल भी अच्छे बने रहते हैं। डॉक्टरों की मानें तो पानी में बहुत सारे गुण मौजूद होते हैं जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखता है। हालांकि अगर इसमें कुछ चीजों को मिला लिया जाए तो यह और भी ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। आइए आपको बताते हैं ऐसी पांच चीजों के बारे में जिन्हें पानी में मिलाकर पीने से आप कई तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

अदरक का पानी

अदरक पेट की समस्याओं को दूर करता है। अगर इसका पानी बनाकर पीया जाए तो पीरियड्स के दौरान होने वाले पेट दर्द से लेकर डाइजेशन, गैस, जी मिचलाना और उल्टी में फायदा मिलता है। इसके अलावा यह पानी जोड़ों के दर्द और सूजन में भी आराम पहुंचाता है। यह सिरदर्द की समस्या को भी दूर करता है। इसके लिए पानी और अदरक के एक टुकड़े को बर्तन में डालकर तेज आंच पर उबालें। 15 मिनट बाद इस पानी को छानकर पी लें।

अजवाइन का पानी

अजवाइन भी पेट की समस्याओं को दूर करता है। अजवाइन में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की मात्रा मौजूद होती है। यह महिलाओं की कई तरह की शारीरिक समस्याओं को दूर करता है। साथ ही गैस की समस्या में भी फायदेमंद साबित हो सकता है। इस पानी को पीने से वजन कम होता है और यूरीन इंफेक्शन को दूर करने में भी लाभदायक है।

सौंफ का पानी

सौंफ का पानी वजन घटाने में मदद करता है। इसके अलावा यह गैस और कब्ज की समस्या को भी दूर करता है। सौंफ का पानी पीने से पीरियड्स में दर्द कम होता है और डाइजेशन मजबूत होता है। इसके लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच सौंफ डालकर इसे उबाल लें और दिनभर थोड़ा-थोड़ा पीते रहें।

नींबू पानी

नींबू पानी न सिर्फ वजन कम करने में मदद करता है बल्कि कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं को भी दूर रखता है। नींबू पानी पीने से डाइजेशन सही रहता है और पेट संबंधित रोग भी दूर रहते हैं। नींबू पानी में कई प्रकार के औषधीय गुण मौजूद होते हैं और यह अपच, पेट की गड़बड़ी, डायबिटीज और लीवर के लिए भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा नींबू पानी पीने से स्किन इंफेक्शन, झुर्रियां, ब्लैकहेड्स और पिम्पल की समस्या भी दूर होती है।

चावल का पानी

चावल का पानी पीने से बाल और स्किन बहुत अच्छे रहते हैं। इसके अलावा यह शरीर को एनर्जी भी प्रदान करता है। इसके अलावा चावल के पानी में कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं जो शरीर की थकान को दूर करते हैं।

हवा को शुद्ध करने के लिए घर में लगाएं ये इंडोर प्लांट्स

कोरोना वायरस के चलते कई लोग वर्क फ्रॉम होम करने को मजबूर हैं। ऐसे में बेहतर है कि हम अपने वर्क प्लेस को थोड़ा सकारात्मक बनाएं। घर में पौधे लगाने से काफी पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और कुछ इंडोर प्लांट्स ऐसे भी होते हैं जो हवा साफ करने में मदद करते हैं। मेट्रो यूके डॉट कॉम ने नासा के वैज्ञानिकों हवाले से लिखा है कि पौधों की जड़ें और उनसे जुड़े सूक्ष्मजीव तब रोगजनक वायरस, बैक्टीरिया और कार्बनिक रसायनों को नष्ट करते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे पौधों के बारे में जो न केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ाएंगे बल्कि आपके घर की हवा भी शुद्ध करेंगे।।।

एलोवेरा:

एलोवेरा को घृतकुमारी भी कहते हैं। एलोवेरा की पत्तियां गूदेदार होती हैं। इसके जैल सरीखा गूदा होता है। इस पौधे में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। इनडोर प्लांट के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन ऑप्शन है। दरअसल, इस पौधे को बढ़ने के लिए बहुत ज्यादा पानी और सूर्य की रौशनी की आवश्यकता नहीं होती है। यह पौधा हवा में मौजूद अशुद्धियों जैसे फार्मेल्डिहाइड (मेथेनैल), बेंजीन और कार्बन मोनो ऑक्साइड को दूर करता है। इसके गूदे का इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधनों (मेकअप प्रोडक्ट्स) के रूप में भी किया जाता है।

स्नेक प्लांट:

स्नेक प्लांट को मदर-इन-लॉ-टंग भी कहा जाता है। इस पौधे को घर में ऐसी जगह रखना चाहिए जहां हलकी नमी बनी रहती है। दरअसल, इस पौधों को बढ़ने के लिए नमी की जरूरत होती है। यह पौधा लिली फैमिली का है। नासा की एक स्टडी यह पौधा सिक बिल्डिंग सिंड्रोम के लिए जिम्मेदार जहरीले तत्वों को फ़िल्टर कर एयर प्यूरीफायर तौर पर काम करता है।

स्पाइडर प्लांट:

स्पाइडर प्लांट भी एक ऐसा पौधा है जो एयर प्यूरीफायर की तरह काम करता है।

यह प्लांट हवा से जाइलीन, बेंजीन, फार्मेल्डिहाइड और कार्बन मोनो ऑक्साइड जैसे हानिकारक तत्वों को फिल्टर करता है। सबसे अच्छी बात है कि इस पौधे की देखभाल में ज्यादा मेहनत की जरूरत भी नहीं होती है। इसलिए वर्किंग लोग भी इसे बड़े आराम से मैनेज कर सकते हैं।

गहराते जा रहे हैं दाग

भारतीय दवा उद्योग की छवि लगातार बिगड़ रही है। भारत दुनिया भर में सस्ती दवाओं का स्रोत रहा है। अगर साख पर उठते सवालों के जवाब जल्द नहीं ढूंढे गए, तो भारत की इस शान में बट्टा लग जाएगा।

भारतीय दवा उद्योग गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भारत में बने कफ सिरफ के दुष्प्रभाव की खबरों से लगे झटके से अभी उबरा नहीं था। इसी बीच अमेरिका से चिंताजनक खबर आई कि अमेरिका में एक भारतीय आईड्रॉप से आठ लोगों की आंखों की रोशनी चली गई और तीन लोगों की जान जा चुकी है। यह दवा चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने एज्रीकेयर आर्टीफिशियल टीयर्स नाम के तहत बनाई थी। अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के हवाले से यह खबर दी। सीडीसी ने इस ड्रॉप में दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया होने की संभावना जताई है। सीडीसी चिंतित है कि भारत से आयातित आईड्रॉप्स में मिला दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया अमेरिका में पैर जमा सकता है। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा है कि संक्रमित आर्टीफिशियल टीयर्स के इस्तेमाल से आंखों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे आंखों की रोशनी जा सकती है या मौत भी हो सकती है। स्यूडोमोनास एरुजिनोसा बैक्टीरिया खून, फेफड़ों या घावों में संक्रमण का कारण बन सकता है।

सीडीसी ने 21 मार्च को अपनी वेबसाइट पर लोगों को चेतावनी दी थी कि कोई भी रोगी जिसने एज्रीकेयर के आर्टिफिशियल टीयर्स का इस्तेमाल किया है और उनकी आंखों में संक्रमण के लक्षण हैं, तो उन्हें तत्काल मेडिकल देखभाल की जरूरत है। रिपोर्टों के मुताबिक ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने फरवरी में अमेरिकी बाजार के लिए आईड्रॉप्स का उत्पादन बंद कर दिया था। कंपनी ने उन दवाओं को भी वापस मंगा लिया था जिनकी एक्सपायरी खत्म नहीं हुई थी। इधर तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने कहा है कि ग्लोबल फार्मा के आईड्रॉप नमूनों में कोई विषाक्तता नहीं मिली है। इस स्थिति में यह सवाल प्रासंगिक हो जाता है कि सब ठीक है, तो आखिर इस कंपनी ने अमेरिका से अपनी दवाएं वापस क्यों मंगवाईं?बहरहाल, इस बहस से परे असल मुद्दा यह है कि भारतीय दवा उद्योग की छवि लगातार बिगड़ रही है। भारत दुनिया भर में सस्ती दवाओं का स्रोत रहा है। अगर साख पर उठते सवालों के जवाब जल्द नहीं ढूंढे गए, तो भारत की इस शान में बट्टा लग जाएगा। (आरएनएस)

घटते रसूख की मिसाल

संकेत हैं कि पश्चिम एशिया के देश अब अमेरिका का दामन छोड़ कर रूस के सहयोगी बन गए हैं। चूंकि ये देश पेट्रोलियम और गैस का भंडार हैं, इसलिए उनके रुख में ऐसा बदलाव पूरी दुनिया के लिए मायने रखता है।

तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक+ ने अमेरिका को झटका दिया है। ओपेक में प्रमुख देश सऊदी अरब है। ताजा फैसले का सीधा संकेत है कि सऊदी अरब अमेरिका की मर्जी और मंशा की बिल्कुल परवाह नहीं कर रहा है। जिस समय पश्चिमी देशों में बमुश्किल महंगाई कुछ काबू में आती नजर आ रही थी, ओपेक+ ने तेल के रोजाना उत्पादन में कटौती का फैसला कर लिया। इससे विश्व बाजार में तेल के भाव फिर चढ़ गए हैं। स्पष्टत: ओपेक+ के निर्णय से महंगाई और बढ़ेगी। आम अनुमान है कि उसके परिणामस्वरूप विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंक ब्याज दरें बढ़ाएंगे। उसका नतीजा अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर धीमी होने के रूप में तो सामने आएगा ही, साथ ही उससे अमेरिका और यूरोप का मौजूदा बैंकिंग संकट और भीषण रूप ले सकता है। दूसरी तरफ विश्व बाजार में कच्चे तेल का भाव बढ़ने से रूस को फायदा होगा। ओपेक तेल निर्यातक देशों का संघ है। जब से रूस इससे जुड़ा इस संगठन को ओपेक प्लस के नाम से जाना जाता है।

रोजाना 11 लाख 60 हजार बैरल कम कच्चे तेल का उत्पादन करने का फैसला घोषित होने के तुरंत बाद विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने लगी। ओपेक ने कहा है कि यह फैसला तेल बाजार में स्थिरता लाने के मकसद से किया गया है। लेकिन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने कहा है अभी बाजार में जैसा अनिश्चय है, उसे देखते हुए उत्पादन में कटौती उचित नहीं है। जाहिर है, अमेरिका को यह निर्णय पसंद नहीं आया है। इससे यह राय और मजबूत हुई है कि सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए हुए समझौते से पश्चिम एशिया में अमेरिका का प्रभाव घटा है। उसके ऐसा लगता है कि अब उस क्षेत्र के देश फैसला लेने से पहले अमेरिका से राय-मशविरा करने की जरूरत नहीं महसूस कर रहे हैं। यह विश्व समीकरण में आया एक बड़ा बदलाव है। पश्चिम एशिया के देश अब रूस के सहयोगी बन गए हैं। चूंकि ये देश पेट्रोलियम और गैस का भंडार हैं, इसलिए उनके रुख में ऐसा बदलाव पूरी दुनिया के लिए मायने रखता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

फल खाने का सही समय क्या है, फल कब खाना चाहिए

फल हमारे शरीर के लिए बहुत ही पौष्टिक और सेहतमंद कहे जा हैं। इनसे हमे ढेर सारे मिनिरल्स और विटामिन के साथ साथ कैलोरी भी मिलती है। लेकिन अधिकतर लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि फल खाने का सही समय क्या है। फल कब खाना चाहिए, खाने से पहले या खाने के बाद। इसलिए इस भ्रम को आज दूर करने की कोशिश करते हैं। चलिए जानते हैं कि फल खाने का सही समय क्या है?

खाने के पहले और बाद खाने के फायदे और नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि फल भोजन करने से आधा से एक घंटा पहले खाए जाएं तो शरीर को बहुत पोषण देते हैं। यही फल अगर आप खाने के बाद खाते हैं तो शरीर में भोजन के साथ फलों की एक्स्ट्रा कैलोरी चली जाती है, जिससे सेहत को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। बेहतर होता है कि फलों को खाने के साथ और खाने के तुरंत बाद ना खाएं। फल खाने का सही समय सुबह, दोपहर और शाम को होता है, रात को सोने से तुरंत पहले भी फलों का सेवन नहीं करना चाहिए।

भोजन के बाद फल खाने के नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि भोजन करने के तुरंत बाद फल बिलकुल ना खाएं। दरअसल भोजन के जरिए पहले ही शरीर काफी सारी कैलोरी ले चुका होता है, वो पचाए बिना अगर आप भोजन के तुरंत बाद फल खाते हैं तो शरीर को एक्स्ट्रा कैलोरी इनटेक झेलना पड़ता है। इससे पाचन तंत्र पर दोहरा भार पड़ता है और वो इतनी सारी कैलोरी को एक साथ पचा नहीं पाता, भोजन के तुरंत बाद फल खाने से पाचन तंत्र खराब हो जाता है और पेट से जुड़ी कई दिक्कतें जैसे अपच, अफारा, एसिडिटी, मरोड़ और कब्ज आदि की संभावना पैदा हो जाती है।

खाने के तुरंत बाद फल खाने के नुकसान

देखा जाए तो फलों में फरुक्टोज होता है जो जल्दी पचता है, अगर भोजन के तुरंत बाद फल खाते हैं तो फ्रुक्टोज जल्दी पचता है और पेट में पहले से गया भोजन पचने में काफी दिक्कत आती है। भोजन के तुरंत बाद खाना खाने से शरीर में कई तरह के टॉक्सिन एकत्र होने की बात की जाती है। इसका असर पेट के साथ साथ त्वचा पर भी दिखता है।

फल खाने का सही समय क्या है

इस पर एक्सपर्ट कहते हैं कि फल तब खाएं जब आप कुछ देर पहले या बाद में भोजन ना कर रहे हों। यानी दिन में 10 से 12 बजे के बीच फल खाने का सही समय है। इस समय आप आराम से फल खा सकते हैं और इनका पूरा पोषण आपके शरीर को मिलेगा।

शाम के समय भी फल खाए जा सकते हैं, ये समय चार से सात बजे तक का हो सकता है। दिन में अगर आप 11 बजे के आस पास फल खाते हैं तो आपकी चटर पटर की भूख भी शांत होती है और फलों के जरिए आपको ढेर सारा फाइबर भी मिलता है जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

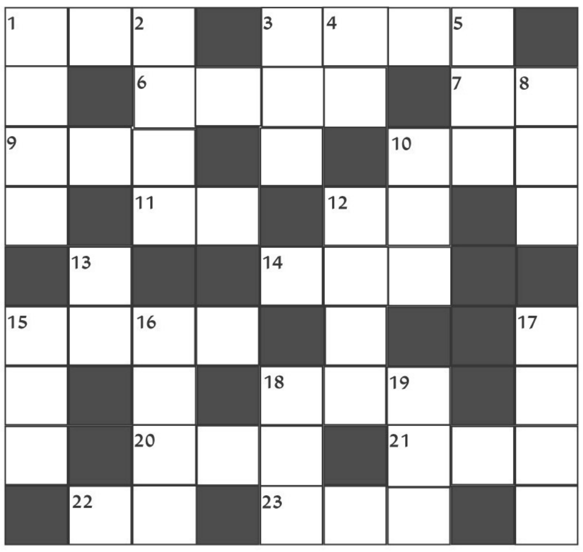

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

तेलुगू फिल्म छत्रपति के हिंदी रीमेक का टीजर जारी

राजामौली की 2००5 की तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'छत्रपति' की आधिकारिक हिंदी रीमेक, जो तेलुगू अदाकार श्रीनिवास बेलमकोंडा की पहली बॉलीवुड शुरूआत भी है, 12 मई को अखिल भारतीय रिलीज के लिए तैयार है। 'छत्रपति' का एक्शन से भरपूर टीजर, जिसे जारी किया गया था, बेलमकोंडा द्वारा प्रमुख चरित्र का परिचय दिया गया।

बेलमकोंडा ने कहा, मैं 'छत्रपति' जैसी विशेष फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने को लेकर खुश हूं, जो एक रोमांचक और सुन्दर सामूहिक एक्शन फिल्म है। इस फिल्म पर काम करने का हर पल उतना ही रोमांचक था जितना कि यह चुनौतीपूर्ण था और आखिरकार हम खुश हैं इसे हिंदुस्तान भर के दर्शकों के सामने पेश करें।

यह फिल्म एसएस राजामौली की तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'छत्रपति' की आधिकारिक हिंदी रीमेक है और इसे उनके पिता और अनुभवी लेखक वी। विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है, जिन्हें 'आरआरआर', 'बाहुबली' सीरीज और 'आरआरआर' जैसी फिल्मों में उनके गौरतलब काम के लिए जाना जाता है।

पेन स्टूडियोज के जयंतीलाल गाडा द्वारा निर्मित और विनायक द्वारा निर्देशित बड़े-टिकट, बड़े-कैनवस एक्शन एंटरटेनर का निर्माण किया जा रहा है।

एसएस। राजामौली की 'छत्रपति' अखिल भारतीय दर्शकों के लिए फिर से कल्पना करने के लिए एक आदर्श परियोजना थी। बहुत प्रतिभाशाली श्रीनिवास बेलमकोंडा को पूरी तरह से नए बाजार में पेश करने के अलावा, फिल्म में मुख्यधारा के मनोरंजन के सभी आवश्यक घटक भी हैं।

'छत्रपति' एक ऐसे आदमी की कहानी बतलाता है, जो बड़े पैमाने पर उत्पीड़न के अधीन प्रवासियों के रक्षक बनने के लिए उत्पीड़न के विरुद्ध उठता है।

कावेरी प्रियम ने किया खुलासा, कैसे पेशेवर और निजी जीवन में बनाती हैं बैलेंस

अभिनेत्री कावेरी प्रियम को शो ये रिश्ते हैं प्यार के में एक नकारात्मक किरदार निभाने के लिए काफी सराहना मिली है और वर्तमान में वह दिल दियां गल्लां में मुख्य भूमिका निभाती नजर आ रही हैं।

उन्होंने साझा किया कि किस तरह फैमिली ड्रामा में अमृता का किरदार निभाने के बाद उन्हें अपने जीवन में रिश्तों के महत्व का एहसास होने लगा है।

उन्होंने कहा, मुझे अमृता का किरदार निभाए हुए काफी समय हो गया है और मुझे कहना होगा कि जिस तरह से शो ने जीवन की जटिलताओं को चित्रित किया है और दिखाया है कि गलत संचार के कारण मनुष्य कैसे दूर हो जाते हैं, वह सराहनीय है। मुझे लगता है कि दिल दियां गल्लां के साथ, मैं अपने माता-पिता की भावनाओं के बारे में अधिक जागरूक हो गई हूं।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि कैसे वह अपने पेशेवर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाती हैं और अपने परिवार के लिए समय निकालती हैं।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह आपके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को संतुलित करने का सबसे अच्छा तरीका है। यदि आप अपने करीबी लोगों के साथ संवाद करते हैं तो गलतफहमी के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। इस तरह के व्यस्त कार्यक्रम के साथ, मुझे आमतौर पर मेरे माता-पिता के साथ बात करने का मौका नहीं मिलता है। लेकिन मैं अपने ब्रेक के दौरान उनसे बात करने की कोशिश करती हूं ताकि उन्हें भी मेरे दिन के बारे में पता चल सके। दिल दियां गल्लां का प्रसारण सोनी सब पर होता है।

पिंक आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे दिखीं गजब की बला

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपनी खूबसूरती और अदाकारी से फैंस को घायल किए रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी धमाल मचाती हैं। वहीं, उनकी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को बेताब किए हुए हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने लुक्स को लेकर काफी चर्चाओं में हैं।

पिंक कलर के स्टाइलिश आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रही हैं। हेयर स्टाइल के साथ ही मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे की तस्वीरें देख कर हर कोई उनकी अदा पर फिदा हो रहा है। ग्लॉसी मेकअप के साथ ही ईयरिंग्स पहने हुए एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे गजब की बला लग रही हैं। अंकिता लोखंडे की आंखों में लगा गहरा काजल देख फैंस उनकी आंखों में डूबने को मजबूर हैं। अंकिता की खूबसूरती देखकर कोई भी उनका कायल हो जाए। वहीं, उनके स्टाइल को चार चांद लगा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार कमेंट्स कर रहे हैं। जो उनकी फोटोज पर हॉर्ट और फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करना बिल्कुल नहीं भूलती हैं। अंकिता लोखंडे के इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

जी ले जरा में कटरीना-प्रियंका-आलिया संग होगी किंग खान की रोड ट्रिप!

बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर डायरेक्टर जोया अख्तर की फिल्म जी ले जरा की जबसे घोषणा हुई हैं तब से ये चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कटरीना कैफ और आलिया भट्ट नजर आने वाली है। जोया अख्तर की इस फिल्म का साल 2021 में अनाउंसमेंट किया गया था और बताया गया था कि इसकी कहानी ये रोड ट्रिप पर बेस्ड है। अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि फिल्म जी ले जरा में बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान कैमियो रोल होगा। आइए जानते हैं कि पूरी खबर क्या है।

जोया अख्तर फिल्म जी ले जरा को रीमा कागती के साथ मिलकर बना रही हैं। दोनों ने साथ में फिल्म की स्क्रिप्ट को तैयार की है और इसे प्रोड्यूस कर रही हैं। आलिया भट्ट, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा की फिल्म की शूटिंग के लिए डेट्स का शेड्यूल मैच नहीं हो पाया और यही कारण है कि फिल्म लेट हो गई। अब रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि शाहरुख खान की भी एंट्री हो गई है और वह कैमियो रोल करते नजर आएंगे। ये भी बताया जा हा है कि फिल्म में उनका रोल खास है। हालांकि, मेकर्स की तरफ इस बात की घोषणा नहीं की गई है।

फिल्म जी ले जरा में ये पहला मौका होगा जब तीन एक्ट्रेसेस आलिया भट्ट, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा साथ में काम करते नजर आएंगी। वहीं, शाहरुख खान के साथ ये तीनों एक्ट्रेसेस अलग-अलग फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शाहरुख खान के साथ आलिया भट्ट ने फिल्म डियर जिंदगी, कटरीना कैफ ने फिल्म जब तक है जान और प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म डॉन और डॉन 2 की है। शाहरुख खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार फिल्म पठान में नजर आए थे। अब वह फिल्म जवान और फिल्म डंकी में काम करते दिखाई देंगे।

फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में सलमान खान और शाहरुख खान की एंट्री

शाहरुख खान और सलमान खान के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल, दोनों के अभिनय से सजी फिल्म टाइगर वर्सेज पठान का ऐलान हो गया है और निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ आनंद को सौंपी गई है, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान का निर्देशन किया। शाहरुख की पठान में सलमान की मेहमान भूमिका ने लोगों को सीटियां बजाने पर मजबूर कर दिया था। अब पूरी फिल्म में दोनों साथ नजर आएंगे, जो प्रशंसकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया, टाइगर वर्सेज पठान का निर्देशन करेंगे सिद्धार्थ आनंद। जनवरी, 2०24 से फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। इसका निर्माण यशराज बैनर तले किया जाएगा। तरण के इस पोस्ट से सलमान-शाहरुख के प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। एक फैन ने लिखा, अब तो 3,००० करोड़ रुपये की कमाई पक्की है। एक ने लिखा, बस ले आइए। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, अब पर्दे पर लगेगी आग।

पठान में सलमान-शाहरुख की दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन टाइगर वर्सेज पठान में उनके बीच दुश्मनी देखने को मिलेगी। अब इन दोनों जिगरी यारों में तकरार होने वाली है और उन्हें आपस में भिड़ते देखना बेहद दिलचस्प होगा। यशराज ने अपना स्पाई यूनिवर्स शुरू किया है, जिसकी पहली फिल्म एक था टाइगर, दूसरी टाइगर जिंदा है, तीसरी वॉर तो चौथी पठान थी। इस यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म टाइगर 3, छठी वॉर 2 तो सातवीं फिल्म टाइगर वर्सेज पठान होगी।

यशराज प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही सलमान की मुख्य भूमिका वाली फिल्म टाइगर 3 में शाहरुख का कैमियो होने वाला है। हालांकि, दोनों एक-दूसरे की फिल्मों में पहले भी मेहमान भूमिका निभा चुके हैं। शाहरुख की फिल्म कुछ कुछ होता है में सलमान ने कैमियो किया था तो सलमान की हर दिल जो प्यार करेगा में शाहरुख ने कैमियो किया था। शाहरुख की फिल्म ओम शांति ओम में सलमान तो सलमान की ट्यूबलाइट में शाहरुख ने कैमियो किया था।

सलमान और शाहरुख ने पहली बार 1995 में राकेश रोशन के निर्देशन में बनी फिल्म करण अर्जुन में काम किया था। फिल्म में दोनों भाई बने थे। सलमान ने करण तो शाहरुख ने इसमें अर्जुन की भूमिका निभाई थी। 6 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 43 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद दोनों को फिल्म हम तुम्हारे हैं सनम में साथ देखा गया था और यह भी हिट रही थी।

अयान मुखर्जी संभालेंगे वॉर 2 के निर्देशन की कमान

फिल्म वॉर के ब्लॉकबस्टर होने के बाद से दर्शक इसके सीक्वल वॉर 2 की राह देख रहे थे। अब आखिरकार इसके दूसरे भाग का ऐलान हो गया है। बड़ी खबर यह है कि फिल्म के निर्देशन की कमान इस बार सिद्धार्थ आनंद के हाथ में नहीं, बल्कि यह जिम्मेदारी अयान मुखर्जी को दी गई है। ऋतिक रोशन एक बार फिर पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने ट्वीट किया, अयान मुखर्जी करेंगे वॉर 2 का निर्देशन। बतौर लीड हीरो ऋतिक रोशन की मौजूदगी पक्की। वॉर 2 के लिए आदित्य चोपड़ा ने अयान को चुना है। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की 7वीं फिल्म होगी। टाइगर 3 में जो कुछ भी घटेगा, उसकी आगे की कहानी इसमें दिखाई जाएगी। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों को यशराज बैनर का यह फैसला भा रहा है तो कुछ इसे लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अयान ने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। उनकी फिल्में हर वर्ग के दर्शकों को लुभाती हैं। अयान दर्शकों की नब्ज पकड़ने में माहिर हैं। वह साबित कर चुके हैं कि बड़े स्तर पर किसी फिल्म को कैसे खड़ा करना है। इसके अलावा अयान एक युवा निर्देशक हैं, जो वॉर 2 की कहानी में नयापन ला सकते हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रख आदित्य ने उन्हें स्पाई यूनिवर्स से जोड़ा है।

सिद्धार्थ ने वॉर का निर्देशन किया था, जिन्होंने पिछली बार शाहरुख खान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान दी। सिद्धार्थ के पास ऋतिक और दीपिका पादुकोण अभिनीत फाइटर भी है और माना जा रहा है कि वह पठान के सीक्वल पर भी काम करेंगे। ऐसे में बतौर निर्देशक उनके पास स्पाई यूनिवर्स के कई प्रोजेक्ट हो जाएंगे। चर्चा है कि इसी वजह से यशराज फिल्म्स ने जासूसी की दुनिया में इस बार सिद्धार्थ की जगह अयान को मौका दिया है।

अयान ने 2००9 में 26 की उम्र में फिल्म वेकअप सिड से निर्देशन जगत में कदम रखा था, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके बाद उनकी फिल्म ये जवानी है दीवानी भी हिट रही थी। ब्रह्मास्त्र उनके निर्देशन में बनी तीसरी फिल्म थी।

वॉर 2०19 में रिलीज हुई थी। फिल्म में ऋतिक के साथ टाइगर श्रॉफ नजर आए थे और इसमें जबरदस्त एक्शन देखने को मिला था। फिल्म में ऋतिक और टाइगर की जुगलबंदी कमाल की थी। इसमें ऋतिक एजेंट कबीर की भूमिका में थे। सिद्धार्थ ने ही आदित्य चोपड़ा के साथ मिलकर इस फिल्म की कहानी भी लिखी थी। 175 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 475 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।

सिर्फ गठबंधन पर्याप्त नहीं है...

अजीत द्विवेदी

अभी तक विपक्षी पार्टियों का गठबंधन तय नहीं हुआ है। उसकी एक मोटी रूप-रेखा उभर रही है लेकिन उसे अंतिम नहीं माना जा सकता है। राहुल गांधी को मानहानि के मामले में सजा होने और लोकसभा की सदस्यता समाप्त किए जाने के तात्कालिक दबाव में विपक्ष ने कांग्रेस के प्रति जो सद्भाव दिखाया है वह कितना टिकाऊ है, यह नहीं कहा जा सकता है। हां, यह जरूर है कि उस घटना ने विपक्ष को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की पहल को तेज कर दिया है। लेकिन सवाल है कि क्या विपक्ष एक प्लेटफॉर्म पर आ जाए और एक दर्जन या डेढ़ दर्जन पार्टियों का गठबंधन बन जाए तो उससे भाजपा को हराया जा सकेगा?इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसा होने पर भाजपा से लड़ने की विपक्ष की ताकत बढ़ जाएगी लेकिन सिर्फ उसके दम पर भाजपा को हरा देना संभव नहीं है। पिछले चुनाव के आंकड़ों का जिन लोगों ने भी बारीकी से विश्लेषण किया है उनको पता है कि विपक्ष का मजबूत गठबंधन कुछ राज्यों में भाजपा की सीटें कम कर सकता है लेकिन सिर्फ उसके दम पर हरा कर सत्ता से बाहर कर देना मुश्किल है।

पिछले लोकसभा चुनाव में देश के 11 बड़े राज्यों में भाजपा को 50 फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिले थे। इन 11 राज्यों में कहीं कांग्रेस से सीधा मुकाबला था, कहीं कुछ और पार्टियां भी थीं, कहीं गठबंधन था और कहीं सभी पार्टियां अपने अपने दम पर लड़ी थीं। लेकिन हकीकत यह है कि बाकी सभी पार्टियों का साझा वोट 50 फीसदी से कम था। तीन राज्यों- गुजरात, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा को 60 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। पांच राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा और दिल्ली में 55 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। इन आठ राज्यों के अलावा कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। उत्तर प्रदेश में 49.98 यानी ठीक 50 फीसदी वोट मिले। महाराष्ट्र में शिव सेना का गठबंधन था और इस गठबंधन को 51.36 फीसदी वोट मिले थे। अगर महाराष्ट्र को छोड़ दें तो बाकी 11 राज्यों में लोकसभा की 225 सीटें हैं, जिनमें से 202 सीटें भाजपा ने जीती थीं। अगर इस गणित के हिसाब से देखें तो इन राज्यों में सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर लड़ी होतीं तब भी संभव है कि भाजपा को इतनी ही सीटें मिलतीं।

तभी यह मानना एक तरह की गलतफहमी पालना है कि अगर विपक्षी पार्टियों ने गठबंधन बना लिया या सभी सीटों पर भाजपा के मुकाबले विपक्ष का भी एक ही उम्मीदवार हुआ तो भाजपा को हराया जा सकता है। देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्से में भाजपा की स्थिति ऐसी है कि सिर्फ विपक्ष के एकजुट हो जाने भर से उसको नहीं हराया जा सकेगा। ज्यादातर पार्टियां खास कर उत्तर और पूर्वी भारत की प्रादेशिक पार्टियां इस बात को नहीं समझ रही हैं। डीएमके नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस स्थिति को समझा है और तभी उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों को एक प्लेटफॉर्म पर लाने के साथ साथ एक साझा एजेंडा तय करने की भी पहल की है। उन्होंने इस बात को समझा है कि विपक्षी पार्टियों के एक साथ आने के जितना ही यह भी जरूरी है कि विपक्ष के पास भाजपा से मुकाबले का एक सैद्धांतिक आधार हो। यह समझने की जरूरत है कि किसी भी बड़ी लड़ाई के लिए एक अच्छा सिद्धांत होना जरूरी है।

स्टालिन ने इसके लिए अपने एक संगठन ऑल इंडिया फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस की ओर से सामाजिक न्याय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। मीडिया में इस सम्मेलन की रिपोर्टिंग विपक्ष को एकजुट करने के प्रयास के तौर पर ही हुई। लेकिन असल में यह सम्मेलन एजेंडा तय करने का था। यह बड़ी दूरदृष्टि के साथ आयोजित कार्यक्रम था। विपक्षी पार्टियां जब साथ आ जाएंगी तो वे किन मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगी, यह सम्मेलन उन मुद्दों पर विचार के लिए था। भाजपा के हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और मजबूत नेतृत्व के एजेंडे को चुनौती देने वाले कौन से मुद्दे हो सकते हैं, जिन पर नागरिकों को सोचने के लिए मजबूर किया जा सकता है, उन मुद्दों पर इस सम्मेलन में विचार हुआ। हालांकि उत्तर भारत के ज्यादातर नेता मोटा-मोटी बातें करते रहे और भाजपा व आरएसएस पर हमला करने तक सीमित रहे लेकिन खुद स्टालिन और राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने बारीकी से उन मुद्दों का जिक्र किया, जिनके आधार पर भाजपा को मजबूत चुनौती दी जा सकती है।

स्टालिन ने एक बहुत बड़ी बात कही। उन्होंने आर्थिक आधार पर सवर्णों के आरक्षण का मुद्दा उठाया और कहा कि इससे सामाजिक न्याय नहीं सुनिश्चित होता है। ध्यान रहे इस कानून पर देश की लगभग सभी पार्टियां सहमत हैं और जहां विपक्षी पार्टियों का राज है वहां भी इसे खुशी खुशी लागू किया गया है। लेकिन स्टालिन ने इसका अध्याय फिर खोल दिया है। उन्होंने कहा कि वर्ग की बजाय वर्ण यानी जाति ही सामाजिक न्याय की किसी भी योजना का आधार हो सकती है। उनका तर्क था कि कोई अमीर व्यक्ति गरीब हो सकता है, कोई गरीब व्यक्ति अमीर बन सकता है, कोई व्यक्ति अपनी अमीरी छिपा कर गरीब बना रह सकता है लेकिन जाति की वजह से जो छुआछूत और भेदभाव है वह नहीं बदलता है। उनका जोर एक्सक्लूजन पर था। उन्होंने कहा कि समाज और व्यवस्था दोनों समावेशी नहीं हैं। सो, अगर अगले चुनाव में विपक्ष सामाजिक न्याय और आरक्षण को मुद्दा बनाता है तो यह उसका प्रस्थान बिंदु है।

सामाजिक न्याय के सम्मेलन में संघवाद, राज्यों की स्वायत्तता, धर्मनिरपेक्षता, समानता, भाईचारा और सामाजिक न्याय को लेकर स्टालिन ने विस्तार से बात की। अब तक इन मुद्दों पर टुकड़ों टुकड़ों में बात हो रही थी। पहली बार इतने व्यवस्थित तरीके से देश की 16 पार्टियों के नेताओं की मौजूदगी में इन पर चर्चा हुई। विपक्षी पार्टियां इस बात पर सहमत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले सहकारी संघवाद की बात करते हैं लेकिन केंद्र की नीतियों की वजह से राज्यों की शक्तियों का ह्रास हो रहा है। सो, राज्यों की स्वायत्तता को लेकर कोई नई मसौदा नीति विपक्ष की पार्टियों के लिए मददगार हो सकती है। इसी तरह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर भी विस्तार से चर्चा हुई। पिछले कुछ समय से धर्मनिरपेक्षता को देश और हिंदू विरोध माना जाने लगा है। उस मिथक को तोड़ने का प्रयास विपक्षी पार्टियों को करना चाहिए। केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की वजह से देश में आर्थिक असमानता पैदा हुई है। आजादी के बाद कभी भी ऐसी विषमता नहीं रही है। विपक्ष अगर इस बारे में सिद्धांत तय करे कि राष्ट्रीय संसाधनों का अधिकतम समानता के साथ इस्तेमाल होगा और उसका मकसद हर व्यक्ति को हिस्सेदार बनाने का होगा तो यह एक बड़ी वैकल्पिक नीति हो सकती है। राजद नेता मनोज झा ने जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया और इस बात पर जोर दिया कि इसके बगैर सामाजिक न्याय की नीतियों पर सफलतापूर्वक अमल संभव नहीं है। उनका सुझाव था कि जब भी जनगणना हो तो जातियों की गिनती के लिए दबाव बनाया जाए और नहीं तो विपक्ष इसका बहिष्कार करे। यह सामाजिक न्याय की सबसे पहली जरूरत बताई गई लेकिन अगर वोट की राजनीति के लिहाज से भी देखें तो यह विपक्ष का कारगर हथियार हो सकता है। सो, स्टालिन की पहल पर विपक्ष अगले चुनाव का एजेंडा तय करता दिख रहा है।

एकजुट होने के साथ साथ अगर जरूरी मसलों पर वैकल्पिक दृष्टि के साथ अगर साझा सिद्धांत भी तय होता है तो उससे भाजपा को चुनौती मिलेगी।

सू- दोकू क्र.091

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 90 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

भाजपा का मिशन राहुल अभी पूरा नहीं हुआ

भारतीय जनता पार्टी का मिशन राहुल अभी पूरा नहीं हुआ है। उनकी लोकसभा की सदस्यता समाप्त हो गई है और वे कई तरह के कानूनी मुकदमों में उलझे हैं। सोशल मीडिया के प्रचार के जरिए राहुल को पप्पू और मंदबुद्धि साबित किया जा चुका है। इसके बावजूद उनके ऊपर काम चल रहा है। गुलाम नबी आजाद का ताजा बयान इसकी मिसाल है। ध्यान रहे राहुल गांधी पर हमला करके राहुल गांधी को कुछ हासिल नहीं होना है। उन्होंने जब कांग्रेस छोड़ी थी तभी पांच पन्नों की एक चिट्ठी सोनिया गांधी को लिखी थी और उस समय प्रेस कांफ्रेंस करके उन्होंने राहुल गांधी पर खूब भड़ास निकाली थी। राहुल को अपरिपक्व और ड्राइवर, बॉडीगार्ड्स की सलाह पर चलने वाला बताया था। लेकिन अब उसके छह महीने से ज्यादा बीत जाने के बाद वे फिर राहुल के ऊपर हमलावर हैं।

कहा जा सकता है कि उनकी किताब आई है, जिसे प्रमोट करने के लिए वे विवादित बयान दे रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने एक योजना के तहत राहुल के खिलाफ बयान दिया और कहा कि वे और पार्टी के अन्य नेताओं ने राहुल की वजह से पार्टी छोड़ी थी। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल कभी संगठन के काम में दिलचस्पी नहीं लेते हैं। बिना संगठन बनाए वे चुनाव जीतना चाहते हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के और बयान आएंगे। कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में गए दूसरे नेता आजाद के इस बयान की पुष्टि करेंगे। हालांकि हकीकत यह है कि कांग्रेस संगठन में चुनाव कराने सहित कई प्रयोग राहुल ने किए थे। लेकिन उनको बिगड़ा हुआ, वंशवादी, नकारा नेता साबित करने का प्रयास जारी है और ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के बाद वे एक गंभीर राजनेता के तौर पर लिए जाने लगे हैं। लोगों की धारणा बदल रही ह और साथ ही राहुल की आक्रामकता भी बढ़ रही है। इसलिए उन्हें निशाने पर रखना जरूरी है। (आरएनएस)

शिविका, अक्षय हम आपके हैं कौन को करेंगे रीक्रिएट

अग्निसाक्षिया एक समझौता शो में सात्विक भोंसले और जीविका राणे का किरदार निभा रहीं आशी मिश्रा और शिविका पाठक ने 1994 की फिल्म हम आपके हैं कौन में बॉलीवुड सितारों माधुरी दीक्षित और सलमान खान द्वारा निभाए गए निशा और प्रेम के किरदारों को फिर से रीक्रिएट है। शो के बर्थडे स्पेशल एपिसोड के दौरान, आशी और शिविका ने फिल्म के प्रतिष्ठित किरदारों के लुक में दीदी तेरा दीवाना पर डांस किया।

शिविका ने कहा, हम आपके हैं कौन में निशा का किरदार निभाना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है, और मैं एक ऐसे युग में फिर से आने का सौभाग्य महसूस कर रही हूं, जो मेरे दिल को बहुत प्यारा है। मुझे विश्वास है कि आने वाले एपिसोड बेहतरीन फिल्मी स्वाद के साथ भरे रहेंगे। यह दर्शकों का पूरा मनोरंजन करेगा।

दूसरी ओर, शुभ लाभ के अभिनेता ने कहा कि इस स्पेशल एपिसोड की शूटिंग करना उनके लिए एक शानदार अनुभव रहा है। मैं डांस स्टेप्स सीखने से लेकर अपने 90 के दशक के लुक को परफेक्ट बनाने तक इसकी तैयारी का पूरा आनंद ले रही हूं। मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए हम आपके हैं कौन को फिर से देखा कि अपने किरदार के तौर-तरीके और स्टाइल को सीखा।

केदारनाथ धाम में बर्फबारी के बावजूद यात्रा की तैयारियों को लेकर कार्य जारी

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग । श्री केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल, 2023 को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे जिसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में संबंधित विभागों द्वारा यात्रा व्यवस्थाओं के लिए अपनी-अपनी तैयारियां तत्परता से की जा रही हैं किन्तु केदारनाथ धाम में मौसम खराब होने व भारी वर्फबारी होने के कारण किए जा रहे निर्माण कार्यों एवं व्यवस्थाओं को दुरस्त करने में व्यवधान हो रहा है इसके बावजूद श्रमिकों द्वारा विषम कठिन परिस्थितियों में भी भारी वर्फबारी में कार्य किया जा रहा है। इस आशय की जानकारी देते हुए अवर अभियंता डीडीएमए सुरेंद्र सिंह रावत ने अवगत कराया है कि धाम में सुबह से ही बर्फबारी हो रही है इसके बावजूद भी विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं में लगे श्रमिकों द्वारा कार्य किया जा रहा है जिससे कि सभी व्यवस्थाओं को समय से दुरस्त किया जा सके।

गौकशी में एक गिरफ्तार, तीन फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। खेतो में गौकशी करने के मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने जहां एक व्यक्ति को मौके पर ही दबोच लिया वहीं उसके साथ के तीन अन्य व्यक्ति फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में गौमांस व गौकशी में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किये है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना भगवानपुर पुलिस को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति ग्राम छापुर में ताहिर पुत्र खुर्शीद के खेत में गौकशी कर रहे हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने जब ग्राम छापुर में ताहिर पुत्र खुर्शीद के खेत मे दबिश दी गई तो मौके से एक आरोपी इकराम पुत्र रशीद को गिरफ्तार किया गया जबकि उसके तीन अन्य साथी मोहतसीम उर्फ भोटा, फरमान पुत्र जाहिद व आशु पुत्र नम्बरी अंधेरे का लाभ लेकर गन्ने एवं गेहूं के खेतों में छिपकर फरार हो गए। मौके से पुलिस ने लगभग 215 किलोग्राम गौमांस, गोकशी उपकरण बरामद हुये। गिरफ्तार एवं फरार आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने थाना भगवानपुर में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

व्यवस्थाओं के झाम में उलझे चारधाम...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

टिकट बेकार हो जाएगा मजबूरी में धाम में ही रुकना पड़ा तो वहां रहने की व्यवस्था हो पाएगी या नहीं इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। भले ही सरकार का दावा है कि इस साल हर साल से बेहतर व्यवस्था होगी लेकिन यात्री इन व्यवस्थाओं के झाम की उलझनों में उलझ कर रह गए हैं। कई लोगों का कहना है कि इससे तो पहले का ही जमाना ठीक था जब चाहा बैग कंधे पर लटकाया और चल पड़े, भले ही रास्ते की दुश्वारियां थी लेकिन यह तो तय था कि जा रहे हैं तो दर्शन करके लौटेंगे। आज की तरह तो नहीं था कि दर पर जाकर भी बिना दर्शन लौटना पड़े।

लक्ष्य पाने के लिए संकल्प..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

द्वारा उत्तराखंड के सेब को देश दुनिया में विशिष्ट पहचान दिला सकें, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोका कोला इंडिया तथा इंडो डच हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी के सहयोग से प्रदेश में चल रही "उन्नति एप्पल योजना" के बड़े लाभकारी परिणाम सामने आये हैं। उनके द्वारा एक हजार बगीचों का कार्य पूरा किया गया है तथा लगभग चालीस हजार लोगों को इसके अंतर्गत ट्रैनिंग प्रदान की गयी है। इससे राज्य में किसानों की आय में तेजी से वृद्धि हो रही है। इस अवसर पर उन्नति एप्पल योजना से लाभान्वित किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने कहा कि अच्छी गुणवत्ता के पौध उपलब्ध होने से उनकी सेब की उत्पादकता बढ़ी है। इस अवसर पर कोका कोला इण्डिया की उपाध्यक्ष श्रीमती देवयानी राजलक्ष्मी राणा, निदेशक राजेश अयापिला, अशोक बेरी, सुधीर चड्ढ़ा एवं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आये कृषक उपस्थित थे।

भीमताल झील में लगाई छलांग, युवक की मौत, युवती घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। तीन बच्चों के पिता ने अपने से 14 साल छोटी एक युवती के साथ भीमताल झील में छलांग लगा दी। हालांकि उन्हे जल्द निकाल लिया गया लेकिन उपचार के दौरान उक्त व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि युवती का उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एक युवक और युवती एक साथ भीमताल झील में कूद गए। हालांकि दोनों को जल्द ही झील से निकाल लिया गया, लेकिन युवती तो बच गई, जबकि युवक की मौत हो गई है। शुरूआत में दोनों को पति-पत्नी बताया जा रहा था। युवती ने भी युवक को अपना पति बताया था। लेकिन मृतक की पहचान तीन बच्चों के पिता, 36 वर्षीय दीपक कुमार गौतम पुत्र अतीश चंद्र गौतम निवासी सरना पदमपुरी धारी के रूप हुई है, जबकि 22 वर्षीय युवती अल्मोड़ा निवासी बताई गई है।

बताया जा रहा है कि मृतक रोडवेज में संविदा पर बस चालक के रूप में कार्यरत था। वर्तमान में वह भवाली डिपो की बस चलाता था। युवती के परिजनों ने इस बात से इंकार किया है कि दीपक कुमार उसका पति था। बताया गया है कि दीपक की पत्नी का नाम कल्पना है। जो इन दिनों अपने तीन बच्चों के साथ अपने मायके खटीमा गई है। भीमताल पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम करीब चार बजे स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि भीमताल झील में नौकायन के दौरान एक युवती और एक व्यक्ति झील में कूद गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को बाहर निकालकर सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को सीएचसी से हल्द्वानी रेफर किया गया। हल्द्वानी में युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि युवती को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। बताया कि जिस नाव से दोनों कूदे उसमें शराब की बोतल और काजू का पैकेट मिला है। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी है। बताया गया है कि दीपक दोपहर एक बजे के बाद अपने गांव से निकला था। बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

कॉम्पलेक्स में मिला शव

संवाददाता

देहरादून। कॉम्पलेक्स में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज यहां सूचना मिली की एक व्यक्ति उपासना कोम्पलेक्स बल्लूपुर देहरादून अपने कॉम्पलेक्स के अंदर है तथा अंदर से कुंडी लगी हुई है और तेज बदबू आ रही है इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक वसंत विहार मौके पर मय फोर्स के पहुंचे तो अंदर से कमरे के अंदर कुंडी लगी हुई थी और वदबू आ रही थी तोड़ कर देखा तो एक व्यक्ति पलंग पर मृत अवस्था में पड़ा था तथा तेज बदबू आ रही है। आसपास पता करने पर मृतक का नाम सुमित अरोड़ा पुत्र कृष्ण कुमार अरोड़ा निवासी ओल्ड सर्वे रोड देहरादून हाल उपासना कंपलेक्स बल्लूपुर देहरादून के रूप में पहचान हुई है। मौके फोटोग्राफी वीडियोग्राफी और पंचायत नामा तथा पोस्टमार्टम की कार्रवाई जारी है। सूचना पर मृतक के माता-पिता मौके पर आये हैं।

बुलेट चोरी का खुलासा, दो नशेड़ी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। बुलेट चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नशे के आदी है जो पहले भी कई चोरियों के मामले में जेल की हवा खा चुके है। जानकारी के अनुसार बीते 3 अप्रैल को संदीप सिंह राणा, निवासी नीलकंठ रोड, घट्टू गाड ने थाना लक्ष्मणझूला पर तहरीर देकर बताया गया कि उनकी बुलेट मोटरसाइकल जो उनके घर के बाहर खड़ी रहती है को अज्ञात चोरों द्वारा 2 अप्रैल को चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बाइक चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। बाइक चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा जब सीसी कैमरे खंगाले गये तो जानकारी मिली कि घटना की रात्रि में उक्त मोटर साईकिल गरुड़ चट्टी से बाहर निकली है। जिस पर पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद एक सूचना के आधार पर दो वाहन चोरों को मय चोरी की बुलट मोटर साईकिल सहित ब्रह्मपुरी के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अजय उर्फ अज्जू पुत्र राजेश शाह, निवासी दादर, पोस्ट-ऑफिस मासों, थाना-चमोली, हाल पता पेट्रोल पम्प के पास, तपोवन थाना मुनिकीरेती टिहरी गढ़वाल व सुनील उर्फ सोनू राजपूत पुत्र उमेश सिंह, निवासी ग्राम सिरणी पोस्ट, भल्डी पट्टी चंद्रबदनी, थाना देवप्रयाग टिहरी गढ़वाल बताया। बताया कि वह एक दूसरे को वर्ष 2014 से जानते हैं तथा पूर्व में थाना कर्णप्रयाग, चमोली से मोटर साईकिल चोरी के अपराध में जेल जा चुके हैं। बताया कि हम नशे के आदी है जब नशा करने के लिए पैसा नहीं मिल पाता है तो वह बाइक चोरी करना शुरू कर देते है। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

यूथ कांग्रेस ने फूंका राजनाथ सिंह का पुतला

संवाददाता

देहरादून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस्तीफे की मांग को लेकर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आईएसबीटी चौक पर प्रदर्शन कर राजनाथ सिंह का पुतला दहन किया।

यूथ कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक इंटरव्यू में 2019 में कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए हमले को सिस्टम की अक्षमता और लापरवाही का नतीजा बताया। सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि जब हमने पुलवामा हमले के बारे में सवाल उठाये थे, तब हमें देशद्रोही कहा गया, आज वही सवाल सत्य हो रहे है, जवाब आज देश के सामने है, वर्तमान में रक्षा मंत्री 2019 में गृह मंत्री रहे राजनाथ सिंह को आज नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिये अगर उन्होंने उस समय प्रोटोकॉल के तहत सैनिकों के लिए हवाई जहाज की व्यवस्था की होती, तो तब जानमाल के नुकसान को टाला जा सकता था। उस समय बॉडर की रक्षा करने वाले देश के उन बहादुर सैनिकों की आवाज ग्रह मंत्रालय सुन लेता तो इतनी बड़ी संख्या में हमारे सैनिक शहीद नही होते, इसलिए आज उनकी लापरवाही के लिए आईएसबीटी में यूथ कांग्रेस ने राजनाथ सिंह का इस्तीफा मांगते हुए उनका पुतला दहन किया।

इस मौके पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को खासतौर पर से जिम्मेदार है, उस समय राजनाथ सिंह गृह मंत्री थे. और उनसे तब सीआरपीएफ ने अपने जवानों को ले जाने के लिए विमान उपलब्ध कराने की मांग की थी, लेकिन गृह मंत्रालय ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। इस मौके पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, पार्षद रमेश कुमार मंगू, मुकीम अहमद, पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह, भगवान सिंह बिष्ट, हरेंद्र चौधरी, जाहिद अंसारी, शैलेंद्र , तौफीक खान, मुरसलीन, यूथ कांग्रेस से प्रभारी महानगर नवीन रमोला सहित सैकड़ों कार्यकता उपस्थित थे।

एक नजर

यूपी पुलिस ने जारी की 61 माफियाओं की नई सूची

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार माफियाओं के खिलाफ लगातार एक्शन ले रही हैं। राज्य में एक के बाद एक सभी माफियाओं को किए की सजा दी जा रही है। बीते कुछ वर्षों में यूपी के क्राइम रेट में काफी गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में योगी सरकार ने एक बार फिर से माफियाओं और गुंडाराज को खत्म करने की ठान ली है। यूपी पुलिस ने कल यानी मंगलवार को माफियाओं की नई सूची जारी कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूपी पुलिस ने कुल 61 माफियाओं की नई सूची जारी की है। अब इन 61 माफियाओं को किए की सजा दिलाने की बारी है। स्पेशल डीजी ला एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि यूपी पुलिस ने शराब माफिया , वन माफिया , पशु तस्कर , खनन माफिया , शिक्षा माफिया आदि को चिह्नित कर 50 शासन द्वारा 11 पुलिस मुख्यालय स्तर पर माफियाओं की सूची तैयार की गई है। प्रशासन की कोशिश होगी कि लिस्ट में शामिल सभी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर उनकी 500 करोड़ की संपत्ति जब्त की जाए। वहीं, प्रशांत कुमार ने बताया कि भविष्य में इस सूची में नाम और बढ़ाए जा सकते हैं। बता दें कि अतीक और अशरफ की हत्या के बाद योगी सरकार ने माफियाओं की नई सूची जारी कर दी है।

इस सूची के अनुसार मेरठ जोन में योगेश भदौरा, बदन सिंह उर्फ बद्दो, उधम सिंह, हाजी याकूब कुरैशी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, शारिक, अमर पाल उर्फ कालू, सुनील राठी, अनुज बरखा, हाजी इकबाल उर्फ बाला, आगरा जोन के विनोद शर्मा, विक्रांत उर्फ विक्की, संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा, विनय त्यागी उर्फ टिंकू, सुनील उर्फ मूच, अनिल चौधरी, बरेली जोन के एजाज, ऋषि कुमार शर्मा, कानपुर जोन के अनुपम दुबे शामिल हैं।

लखनऊ जोन में अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, खान मुबारक, संजय सिंह सिंघला, मोहम्मद सहीम उर्फ कासिम, प्रयागराज जोन के डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह, अतुल वर्मा, सुधाकर सिंह, अनूप सिंह, गुड्डू सिंह।

वाराणसी जोन में मुख्तार अंसारी, विजय मिश्रा, त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, अखंड प्रताप सिंह, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह, रमेश सिंह उर्फ काका।

गोरखपुर जोन में राकेश यादव, संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, सुधीर कुमार सिंह, राजन तिवारी, रिजवान जहीर, विनोद कुमार उपाध्याय, देवेंद्र सिंह।

गौतमबुद्धनगर कम्यूनार्ड में सिंहराज भाटी, सुंदर भाटी, अमित कसाना, रणदीप भाटी, मनोज उर्फ आस, अनिल भाटी, अनिल दुजाना।

कानपुर कमिश्नरेटमें कमिश्नरेट लखनऊ लल्लू यादव, सौद अख्तर, बच्चू यादव, जुगनू वालिया उर्फ हरविंदर सिंह।

प्रयागराज कमिश्नरेटमें दिलीप मिश्रा, बच्चा पासी उर्फ निहाल पासी, जावेद उर्फ पप्पू, गणेश यादव, राजेश यादव, कमरुल हसन, जाविर हुसैन, मुजफ्फर।

वाराणसी आयुक्तालय में बृजेश कुमार सिंह, अभिषेक सिंह हनी उर्फ जहर, सुभाष सिंह ठाकुर के नाम शामिल हैं।

पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी बसपा से निष्कासित

महराजगंज (उप्र)। नौतनवा के पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बहुजन समाज पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। जिले के एक वरिष्ठ बसपा नेता ने बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के पुत्र अमन मणि त्रिपाठी ने पिछले विधानसभा चुनाव में नौतनवा विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गए थे । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार राव ने बताया कि अमन मणि के खिलाफ लंबे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने बताया कि पार्टी की ओर से उन्हें चेतावनी दी गई थी, लेकिन वह नौतनवा नगरपालिका के चुनावों में उम्मीदवार के बारे में सभी को गुमराह करते रहे । उन्होंने कहा कि त्रिपाठी को पार्टी के हित में निष्कासित कर दिया गया है। राव ने बताया कि आगामी नगरपालिका चुनावों को लेकर त्रिपाठी गुमराह कर रहे थे कि मैदान में बसपा का कोई आधिकारिक उम्मीदवार नहीं है, और वह पार्टी के उम्मीदवार को निर्दलीय बता रहे थे। पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी ने हालांकि कहा कि उन्हें बसपा से निष्कासन की जानकारी नहीं है। त्रिपाठी ने कहा, 'मैं बहन मायावती के जरिए पार्टी से जुड़ा था, वही मुझे निष्कासित कर सकती हैं। जिलाध्यक्ष को मुझे निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है।'

एसटीएफ ने हेलीकाप्टर बुकिंग सेवा देने वाली 8 फर्जी वेबसाईट को कराया बंद

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने साइबर ठगों पर लगाम लगाने के लिए हेलीसेवा टिकट बुकिंग के नाम पर प्रयोग की जा रही आठ फर्जी वेबसाइटों को बन्द करा दिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड द्वारा प्रदेश में आगामी चारधाम यात्रा में जनता को साइबर ठगी से बचाव हेतु लगातार निर्देश दिये जा रहे है। इसी के क्रम में प्रदेश के नागरिकों को साईबर अपराधियों द्वारा जनता से ठगी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने हेतु पुलिस महानिदेशक द्वारा एसटीएफ व उसकी यूनिट साईबर पुलिस को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में साईबर अपराधी आम जनता की गाढी कमाई हडपने हेतु अपराध के नये नये तरीके

अपना कर धोखाधडी कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में ठगों के द्वारा हेलीसेवा के नाम पर फर्जी वेबसाईट तैयार कर हेली सेवा बुकिंग के नाम पर सम्पूर्ण भारत के विभिन्न राज्यों में लाखों रुपये की धोखाधडी की जा रही है। विगत वर्षों में देखा गया था कि कई साईबर ठगी की शिकायतें साईबर थाने पर प्राप्त हुई थी, जिसमें विभिन्न राज्यों के लोगों के साथ चारधाम यात्रा हेलीकाप्टर बुकिंग सेवा के नाम पर ठगी की गयी थी। इस प्रकार की ठगी का मुख्य कारण यह था कि लोगों को चार धाम यात्री की हैली सेवा बुकिंग की आधिकारिक वैब साईट की जानकारी नहीं थी। इस वर्ष चार धाम यात्रा हेतु हेलीकाप्टर सेवा की आधिकारिक बुकिंग 08 अप्रैल, 2023 से प्रारम्भ हो चुकी है। जिसमें आईआरसीटीसी द्वारा अपनी वैबसाईट को चारधाम हेलीसेवा की बुकिंग के लिए अधिकृत किया गया है। इस वेबसाईट का यूआरएल के माध्यम से अपनी यात्रा हेतु हेली सेवा बुक करा सकते है, कोई भी भुगतान करने से पहले सम्बन्धित भुगतान के माध्यम की जाँच पडताल स्वंय कर ले। इस क्रम में स्पेशल ट्रास्क फोर्स उत्तराखण्ड द्वारा एक अभियान चलाया गया है। जिसके क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्पेशल ट्रास्क फोर्स आयुष अग्रवाल द्वारा जनता से अपील की गयी है, कि कोई भी फर्जी हेली सेवा वेबसाईट, मोबाईल नम्बर लिंक आदि की जानकारी स्पेशल ट्रास्क फोर्स उत्तराखण्ड के ऑफिस देहरादून से साझा करें।

वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए डा. पराग बने नोडल अधिकारी

संवाददाता

देहरादून। वन भूमि पर धार्मिक स्थल बनाकर अतिक्रमण करने के मामले में डा. पराग मधुकर धकाते को अतिक्रमण हटाने के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया। आज यहां इसके आदेश जारी करते हुए प्रमुख वन संरक्षक विनोद कुमार ने बताया कि राज्य के शहरी, ग्रामीण आबादी के आसपास धार्मिक स्थलों, अन्य विभिन्न गतिविधियों की आड में बडे पैमाने पर वन भूमि का अतिक्रमण हुआ है। वन भूमि पर हुए या हो रहे अतिक्रमणों को खाली कराने की त्वरित कार्यवाही हेतु उत्तराखण्ड शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में डा. पराग मधुकर धकाते मुख्य वन संरक्षक, वन पंचायत एवं सामुदायिक वानिकी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिनके द्वारा धार्मिक स्थलो, अन्य विभिन्न गतिविधियों की आड में वन भूमि के अतिक्रमण की सूचना एकत्रित की जायेगी तथा वन भूमि पर हुए, हो रहे अतिक्रमणों को खाली कराये जाने की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही अतिक्रमणों को खाली कराये जाने सम्बन्धी रिपोर्ट प्रमुख वन संरक्षक के माध्यम से उत्तराखण्ड शासन को प्रेषित की जायेगी।

त्यूनी में मकान में लगी आग, हजारों का सामान जलकर स्वाह

संवाददाता

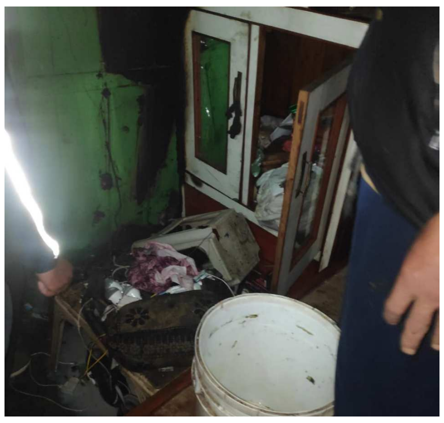

देहरादून। त्यूनी बाजार में एक मकान में आग लगने से वहां अफरा तफरी मच गयी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया लेकिन जब तक हजारों का सामान जलकर स्वाह हो गया था।

आज यहां त्यूनी बाजार में रायगी रोड पर एक लकड़ी के मकान में भारी धुवां निकलने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर तत्काल फायर सर्विस को अवगत कराते हुए पुलिस व फायर सर्विस को अवगत कराते हुए पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। आग रायगी रोड पर एक गली में सुरवीर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह के मकान में किराए पर निवासरत बलराज ठाकुर, जय सिंह ठाकुर के कमरे में शार्ट सर्किट के कारण लगी। मौके पर फायर कर्मियों द्वारा आग फैलने से पहले ही बुझा दिया गया।

आग से घर का कुछ सामान जलकर कर खाक हो गया परंतु कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ।

विनोद सिंघल फिर बने पीसीसीएफ, भरतरी को भेजा जैव विविधता बोर्ड

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड वन विभाग में हॉफ की कुर्सी को लेकर आज तस्वीर साफ हो गई है। विनोद कुमार सिंघल को जहां फिर से प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) बनाया गया है, वहीं राजीव भरतरी को वापस जैव विविधता बोर्ड भेजा गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आज शासन ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि सोमवार को राजीव भरतरी ने प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) के तौर पर सामान्य कामकाज निपटाया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद माना जा रहा था कि शासन से निर्देश मिलने के बाद मंगलवार को विनोद कुमार सिंघल पुनः हॉफ की कुर्सी संभालेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन आज शासन द्वारा विनोद कुमार सिंघल को पुनः हाफ की कुर्सी संभालने के आदेश जारी कर दिये गये है।

आईपीएस अधिकारी बन ठगे साढे छह लाख रुपये

देहरादून (सं)। यूटयूब के आईपीएस अधिकारी बनकर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर साढे छह लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्तीवाला निवासी जयपाल सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पांच मार्च को रात्रि मे उसको अपने मोबाइल पर एक मोबाइल से विडियो काल आयी जिसे उसने रिसीव किया रिसीव करने पर एक महिला अश्लील हरकत कर रही थी अगले दिन 6 मार्च को उसको दूसरे मोबाइल नम्बर से काल आयी जिसने अपना परिचय देते हुए बताया कि वह आईपीएस अधिकारी बोल रहा है और इस समय वह साईबर क्राइम में तैनात है। उसके खिलाफ साईबर क्राईम मे एक लड़की द्वारा शिकायत दर्ज करायी है और उसकी एक विडियो भेजी है जिसको उसके द्वारा यू ट्युब को भी भेजा गया है इस विडियो से उसकी छवि खराब हो सकती है और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही हो सकती है इस विडियो को रोकने के लिए मे उसको यूटयूब के अधिकारी का मोबाइल नम्बर दिया। जिसने उसको वीडियो रोकने के नाम पर समय-समय पर साढे छह लाख रूपये ठग लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।